न्यूज़ सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-05

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

खुश होकर काम करो, खुशी के साथ सफलता भी मिलेगी।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार,शुक्रवार 11 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी को मिला दंड

इस पद पर रहते हुए किया था बड़ा खेल

शिक्षा विभाग के एक अधिकारी को सरकार ने दंड दिया है. तिरहुत प्रमंडल के तत्कालीन क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक जो सेवानिवृत हो गए हैं, उनके खिलाफ सरकार ने पेंशन राशि से कटौती का दंड निर्धारित किया है.

तत्कालीन क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक तिरहुत प्रमंडल मोहम्मद मसलेउद्दीन के खिलाफ योगेंद्र शुक्ला स्मारक परियोजना कन्या उच्च विद्यालय जलालपुर लालगंज के शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मियों का 1 जनवरी 1989 से लगातार कार्यरत रहने संबंधी उपस्थित विवरणी बिना भौतिक जांच किए ही विभाग को उपलब्ध कराने के आरोप थे. इसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई थी . 1 फरवरी 2024 के प्रभाव से तत्कालीन क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक के खिलाफ विभाग की कार्यवाही चलाई गई .

संचालन पदाधिकारी ने जो जांच रिपोर्ट दिया, उसमें आरोप प्रमाणित बताए गए . इसके बाद शिक्षा विभाग ने पूरे मामले की समीक्षा की . समीक्षा के बाद आरोपी आरडीडीई की पेंशन राशि से दो प्रतिशत की कटौती दो वर्षों के लिए करने का दंड दिया है. इस दंड पर बिहार लोक सेवा आयोग ने भी अपनी सहमति दी. इसके बाद शिक्षा विभाग ने 9 अप्रैल को संकल्प जारी कर दिया.

बिहार में 600 करोड़ की लागत से बनेंगे 3 बाइपास

अब बेहद आसान होगा इन जिलों के बीच का सफ़र

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी हालिया प्रगति यात्रा के दौरान इन परियोजनाओं का ऐलान किया था, और अब इनके निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन बाइपास के बनने से न सिर्फ जाम से राहत मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए यात्रा सस्ती और तेज भी होगी।

पथ निर्माण विभाग ने आरा-मोहनिया सड़क पर बाइपास बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह बाइपास कोचस में बनेगा और इसकी लंबाई 12.25 किलोमीटर होगी। इसकी अनुमानित लागत 54 करोड़ 9 लाख 41 हजार रुपये है। राज्य मंत्रिपरिषद से मंजूरी मिलने के बाद काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बाइपास बनने से आरा से मोहनिया के बीच सड़क यात्रा सुगम हो जाएगी, और कोचस जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

वहीं, नालंदा और लखीसराय के बीच सड़क यात्रा को आसान बनाने के लिए शेखपुरा के सरमेरा से लखीसराय की सीमा पर पचना तक 21.5 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड बाइपास बनेगा। इसकी लागत 481 करोड़ 83 लाख 58 हजार रुपये तय की गई है। यह बाइपास नालंदा और लखीसराय के लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा, क्योंकि अभी इस रास्ते पर जाम और खराब सड़क की वजह से काफी परेशानी होती है। निर्माण पूरा होने पर दोनों जिलों के बीच का सफर तेज और सुरक्षित हो जाएगा।

इधर राजगीर में पर्यटन और खेल को बढ़ावा देने के लिए बाइपास सड़क का दो लेन से चार लेन में चौड़ीकरण होगा। यह प्रोजेक्ट एनएच-82 के किलोमीटर 77 हसनपुर गाँव से शुरू होकर राजगीर अंतरराष्ट्रीय खेल अकादमी मोड़ तक जाएगा। इसकी लंबाई करीब 8-10 किलोमीटर होगी और लागत 139 करोड़ 14 लाख 70 हजार रुपये अनुमानित है। चौड़ी सड़क बनने से राजगीर आने-जाने वाले पर्यटकों और खिलाडियों को बड़ी सुविधा होगी। खासकर अंतरराष्ट्रीय खेल अकादमी तक पहुँचना आसान हो जाएगा।

बताते चलें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि इन बाइपास का निर्माण जल्द शुरू हो। इसके बाद पथ निर्माण विभाग ने कमर कस ली है। आरा-मोहनिया और सरमेरा-पचना के लिए जमीन अधिग्रहण और डिजाइन का काम शुरू हो गया है, जबकि राजगीर बाइपास के चौड़ीकरण की प्लानिंग अंतिम चरण में है। इन परियोजनाओं को

बिहार में भीषण आंधी-पानी और वज्रपात का कहर जारी

अब तक 58 लोगों की मौत

बिहार में आंधी, पानी और वज्रपात से गुरुवार को 58 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को बिहार के अलग-अलग इलाकों में हुए वज्रपात में 23 लोगों की मौत हो गई है। जबकि आंधी और बारिश के दौरान पेड़ और दीवार गिरने से 35 लोगों की मौत हो गई। आंधी की वजह से सबसे ज्यादा नालंदा जिले में 22 लोगों की मौत हो गई।

वज्रपात से 23 लोगों की मौत हो गई इसमें सीवान में 4, जमुई में 3, सहरसा, अररिया और सारण में दो-दो, पटना, जहानाबाद, भोजपुर, दरभंगा,अरवल, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, कटिहार और भागलपुर में 1-1 शख्स की जान चली गई। आंधी और बारिश से 35 लोगों की मौत हुई है। जिनमें नालंदा मे 22, भोजपुर में 5, गया में 3, और गोपालगंज जहानाबाद पटना

अरवल और मुजफ्फरपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। बता दें कि दो दिन पहले भी बिहार में वज्रपात से 22 लोगों की मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया मुआवजे का ऐलान

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने सभी मृतकों के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। बता दें कि बुधवार को वज्रपात की घटनाओं के कारण बेगूसराय जिले में 05, दरभंगा जिले में 04, मधुबनी जिले में 03 एवं समस्तीपुर जिले में 01 व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया। वज्रपात के कारण बुधवार को 22 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इस तरह पिछले 48 घंटों में कुल 58लोग वज्रपात की वजह से अपनी जान गंवा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने की सतर्कता बरतने की अपील

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। बिहार में वज्रपात से ज्यादा मौतों के कई कारण हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन, मानसून के दौरान नमी और बारिश के पैटर्न में बदलाव और ग्रामीण क्षेत्रों में खेती के दौरान लोगों का खुले में रहना शामिल है।

प्रशांत किशोर की पार्टी की बिहार बदलाव रैली आज

गांधी मैदान में गांव-गांव से पहुंच रहे लोग

जनुसराज पार्टी के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है। वह पटना के गांधी मैदान में आज बिहार बदलाव रैली कर रहे हैं। दोपहर से शुरू इस रैली में हजारों लोग अभी ही पहुंच चुके हैं। कई जिलों से बस और कार में भड़कर लोग आए हैं। करीब चार घंटे तक चलने वाली इस रैली में पार्टी के वरीय नेताओं के बाद प्रशांत किशोर अपना संबोधन देंगे। जनसुराज का दावा है कि यह रैली ऐतिहासिक होगी और बिहार की राजनीति में बदलाव लाएगी। दावा यह भी है कि इस रैली में 10 लाख से अधिक लोग आएंगे। जनसुराज की इस रैली को लेकर पूरा पटना पोस्टरों से पट चुका है। इधर, पटना पुलिस ने इस रैली को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर रही है। जगह जगह पुलिस बलों की तैनाती की गई है।

4 चुनावी साल में प्रशांत किशोर की पहली रैली शुक्रवार को बिहार के चुनावी साल में प्रशांत किशोर की पहली रैली है, जिसका नाम बिहार बदलाव रैली दिया गया है। यानी, बिहार चुनाव में बदलाव होना है या नहीं, यह शुक्रवार को पीके की रैली में उमड़ी भीड़ से पता चल जाएगा। अब यही पोस्टर पीके के लिए मुसीबत बन जाएगा, अगर वह ऐसा करिश्मा नहीं दिखा पाते हैं तो। और, अगर उनका दावा सही हो गया तो सत्ता से लेकर विपक्ष तक को यह सीधी चुनौती होगी।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर आया कन्हैया कुमार का बयान

कहा- 'यह BJP की सोची-समझी चाल'

पटना, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने गुरुवार को केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। कन्हैया ने कहा कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण बीजेपी की एक सोची-समझी चाल है। उन्होंने कहा कि राणा के प्रत्यर्पण का मकसद अपनी 'नाकामियों' से जनता का ध्यान हटाना है। कन्हैया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस दावे को भी खारिज कर दिया, जिसमें राणा के प्रत्यर्पण को नरेंद्र मोदी सरकार की 'कूटनीतिक जीत' बताया गया था।

'मूल समस्याओं से भटकाने की कोशिश'

बता दें कि 64 साल का तहव्वुर राणा डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी है। हेडली को दाऊद गिलानी के नाम से भी जाना जाता है और वह 2008 के हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। कन्हैया ने कहा, 'बीजेपी के पास दिखाने के लिए कोई ठोस उपलब्धि नहीं है। इसलिए वह ऐसे मुद्दों को उठाकर लोगों का ध्यान मूल समस्याओं से भटकाने की कोशिश करती है। वक्फ विधेयक भी इसका उदाहरण है। सरकार दावा करती है कि यह गरीब मुसलमानों के हित में है, लेकिन क्या कोई इस पर यकीन करेगा? यह वही सरकार है जो मुस्लिम समुदाय को अपनी छतों पर नमाज तक नहीं पढ़ने देती।

बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं कन्हैया

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया ने अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा, 'सभी को बीजेपी के नेताओं की बयानबाजी याद होगी। वे कहते थे कि इसके हटने से बिहार और देश के अन्य हिस्सों के लोग कश्मीर में जमीन खरीद सकेंगे। मुझे एक भी ऐसा शख्स दिखाएं, जिसने वहां अब तक संपत्ति खरीदी हो।' 38 साल के पूर्व वामपंथी नेता कन्हैया इन दिनों बिहार में 'पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा' के जरिए बेरोजगारी और पलायन जैसे मुद्दों पर जनमत जुटा रहे हैं। अपने इस राज्यव्यापी दौरे में वह सरकार की नीतियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।